

03/05/22

पत्रावली पेश हुई। वरील उभयपक्ष उपास्थित।
वादीगण व उत्तिवादी सं०। ने जलिये अधिवक्ता
उपास्थित होकर निवेदन किया कि दोनों पक्षों के
मध्य लोक अदालत की भावना से राजीनामा हो
गया है, जो शामिल पत्रावली किया जावे। दोनों
पक्षों ने अलग से राजीनामा लिख दिया है जो
द्वय पत्रावली। वाद का अगिन्न अंग रहेगा, रक्षित
उक्त उक्त को राजीनामों के आधार पर इली
कर पर निष्कारित (विद्रा) किया जाये। हमने
पत्रावली व उक्त राजीनामों का अध्ययन किया।
वादीगण व उत्तिवादी सं०। इला उक्त राजीनामों
को दोनों पक्षों को पढ़ा सुनाया गया, जिसे

J. D. J. A

शायद

राजपुलान

Shree

पतिनादी शर

27/5/23



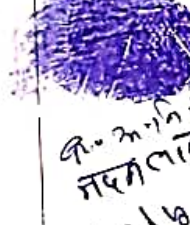
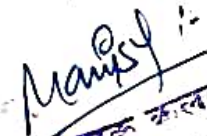
शान्ताना



वसिष्ठ...
म...
शहर

बनाम
 नाम न्यायालय - सहायक कलक्टर जयपुर शहर प्रथम
 केस संख्या -- दावा / ~~...~~ / ~~...~~

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्र.स	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	
	<p>राजे खर</p>  <p>राजे खर</p>  <p>राजे खर</p>  <p>राजे खर</p> <p>Dated 12/10/23 K.R. Sharma A.O.</p> <p>Shin (नयन सिंह)</p> <p>Idaru N. Singh (नयन सिंह/जावत)</p>	<p>दोनों पक्षों द्वारा सही होना बताया गया तथा किसी प्रकार के पेश करना बताया। उल्लूक राजीनामों को शामिल पत्रावली किया गया। वारीगन की पहचान उनके अधिवक्ता श्री डे. आर. शर्मा द्वारा की गई तथा प्रतिवादी सं. 1 की पहचान उनके अधिवक्ता श्री नंद सिंह राजावत द्वारा की गई। अतः यह न्यायालय वारीगन व प्रतिवादी सं. 1 द्वारा उल्लूक राजीनामों को न्यायादित में स्वीकार कर उक्त वाद को खारिज फरमाता है। पत्रावली दर्ज नम्बर से कम होकर फैसल शुमार होना दायित्व परफर हो।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 03/05/23 को उक्त न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक कलक्टर जयपुर शहर प्रथम </p>